बायो प्लास्टिक का गढ़ बनेगा प्रदेश, 20 हजार करोड़ के उद्योग की खुलेगी राह

निवेश करने वाली कंपनियों को दिए जा रहे ढेरों प्रोत्साहन

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश बायो प्लास्टिक नीति के तहत 1000 करोड़ रुपये का निवेश करने वाली कंपनियों को ढेरों प्रोत्साहन दिए जा रहे हैं। इसमें 50 फीसदी पूंजी सब्सिडी, 5 फीसदी ब्याज सब्सिडी, 100 फीसदी जीएसटी में छूट, 10 वर्ष के लिए बिजली शुल्क में छूट दी जाएगी। बायो पॉलिथीन गन्ना और मक्का के एथेनॉल से तैयार होगी। इसका प्रयोग पैकेजिंग और बोतलों के निर्माण में किया जाएगा। इस कदम से पर्यावरण को राहत मिलेगी, वहीं कम से कम 20 हजार करोड़ रुपये की इंडस्ट्री के दरवाजे खुल जाएंगे।

कार्बन फुटप्रिंट कम करने के लिए बायो प्लास्टिक का इस्तेमाल अनिवार्य है। वर्ष 2030 तक सभी प्लास्टिक पैकेजिंग को बायो प्लास्टिक से बनाने का लक्ष्य है। इसे पौधों, शैवाल और सूक्ष्मजीवों से तैयार किया जाता है, जबकि पारंपरिक प्लास्टिक को जीवाश्म ईंधनों से तैयार किया जाता है। आठ वर्ष में इसका बाजार 30 फीसदी की दर से बढ़ने का अनुमान है। बायो प्लास्टिक से तैयार खाद मिट्टी के पोषण में वृद्धि का काम करती है।

यूपी में इटली, नीदरलैंड और जापान की तर्ज पर बायो प्लास्टिक पार्क विकसित किए जाएंगे। ये पार्क उत्पादन और पर्यावरण के अंतरराष्ट्रीय मानकों को पूरा करेंगे। एथेनॉल के अलावा गन्ना और मक्का का इस्तेमाल बायो प्लास्टिक बनाने में किया जाएगा। पार्क में बायो रिएक्टर और थ्री डी प्रिंटिंग तकनीक भी होगी। उत्पादन के बाद सरकार सभी सरकारी विभागों, हवाई अड्डों, होटलों और रेलवे में 25 फीसदी जैव आधारित उत्पादों का इस्तेमाल अनिवार्य करेगी।

गन्ने और मक्के के एथेनॉल से तैयार होगी बायो पॉलिथीन

पांच अंतरराष्ट्रीय परियोजनाओं के समकक्ष बसेगी इंडस्ट्री

यूपी में इस इंडस्ट्री को अंतरराष्ट्रीय स्तर की पांच परियोजनाओं के समकक्ष विकसित करने की तैयारी है। अमेरिका स्थित नेचरवर्क्स की क्षमता 1.5 लाख मीट्रिक टन प्रति वर्ष है। ब्राजील स्थित ब्रैस्कैम ब्लांट की सालाना क्षमता 2 लाख मीट्रिक टन है। इस प्लांट में गन्ना एथेनॉल से प्लास्टिक तैयार होता है। थाईलैंड के रायोंग में टोटल कार्बन प्लांट की सालाना क्षमता 75 हजार मीट्रिक टन है। इटली के टेरवनी में नोवामॉन्ट की भी सालाना उत्पादन क्षमता 1.5 लाख टन है। जर्मनी के लुडविग्सहाफन स्थित बीएएसएफ एसई बायोडिग्रेडबल पॉलिमर प्लांट 74 हजार मीट्रिक टन प्लास्टिक का उत्पादन करता है।

- **इन सेक्टरों में बढ़ेगा बायो प्लास्टिक बाजार :** इसका उपयोग पैकेजिंग सामग्री जैसे बोतलें, बैग व फॉइल फिल्म बनाने में किया जाएगा। कृषि उत्पादों में बायोडिग्रेबल नेट्स, पौधों के गमले बनेंगे। इलेक्ट्रानिक्स, खिलौने और बायो प्लास्टिक के घटक तैयार होंगे। ऑटो सेक्टर में पार्ट्स बनेंगे। चिकित्सा उपकरण और इम्प्लांट्स भी तैयार होंगे।